विजय गीत

लक्ष्य है ऊँचा हमारा, हम विजय संगान गाएं ।
चीरकर कठिनाइयों को, दीप सम हम जगमगाएं।।
तेज सूरज-सा लिये हम,
शुभ्रता शशि-सी लिये हम,
पवन-सा गति वेग लेकर, चरण ये आगे बढ़ाएं।।
हम न रुकना जानते हैं,
हम न झुकना जानते हैं,
हो प्रबल संकल्प इतना, सफल हो सब कल्पनाएं।।
हम अभय, निर्मल निरामय,
हैं अटल जैसे हिमालय,
हर कठिन जीवन घड़ी में, फूल बनकर मुस्कराएं।।
हे प्रभो ! पा पंथ तेरा,
हो रहा अब नव सवेरा
स्वस्थ तन-मन, स्वस्थ चिंतन, चेतना की लौ जलाएं।।